



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राप्तिकार द्वारा प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नई विल्लो, बृहत्तर, अगस्त 23, 1989/भाद्र 1, 1911

सं. 442]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 23, 1989/BHADRA 1, 1911

No. 442]

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के लिए प्रयोग रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त निवालय
(राजस्व विभाग)
तारीखी, 23 अगस्त, 1989
अधिकृतमान
सं. 227/89-सामाशुल्क

सा.षा.नि. 777(अ).—विनाशक उद्यान, सोमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की घोषणा 25 का उल्लंघन (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अनेक यह समाधान हो जान पर क्षेत्रों में ऐसा करना अविवेक है, भारत सरकार के वित्त निवालय (राजस्व विभाग) को अधिकृतमान सं. 148/68-सामाशुल्क, नारोब 27 अप्रैल, 1988 में निर्माणात्मक और संशोधन करता है, अर्थात्:—

उक्त अधिकृतमान में,

(1) “किसी राज्य भूम्य नियम या किसी भूम्य भूम्याती परिवेषक जिसे संबंधित राज्य सरकार ने सम्मत दी है, द्वारा” शब्दों, का लोप किया जाएगा;

(2) “उक्त मीनाशुल्क टैरिफ अधिनियम की घोषणा 3 के प्रधीन चल पर उद्यानाद ममता अतिवित्त सीमाशुल्क से छूट देती है” शब्दों के स्थान पर निम्नवित्त रखा जाएगा, अर्थात्:—

(1) आयोजित राज्य निवालय में, उठाने ज्ञाये ते नंबर विभाग के उपचिव द्वारा भी अनियम रेट के लिये अधिकारी का इस आयात का प्राप्तांश प्रत्युत करता है कि आयात का जाने वाली आहरों नोटों द्वारा नोटों में लगाने के लिए जितका उपयोग अत्यधिक रूप से मछली पकड़ने की संकेता के लिए किया जाता है, और वह, रियायत द्वारा को निर्दिष्ट करता है,

(2) आयोजित आयात के सभी गहावक अमाशुल्क कातमदार को इस आयात का एक अवैत्यर्थ देना है, कि,

(i) उक्त आहरों नोटों का प्रयोग उपरोक्त विनियिष्ट प्रयोजन के लिए किया जायगा; और

(ii) वह, उपरोक्त (i) का अनुवालन द्वारा में अताकल रहने की दृष्टि में, मांग किए जाने पर, उनी रखने वा गंदाय करेगा जो, नियम इन्होंने अन्विष्ट यह न दीतों, नी उक्त आहरों नोटों पर उद्यानाद शुल्क और आयात के समय पहले ही संबल शुल्क के बीच अंतर के बराबर हो।

परन्तु ऊपर विनियिष्ट शर्तें (1) और (2) किसी राज्य मरम्मत वाला या किसी मरम्मत महाकारों परिमेय द्वारा, जिसे संबंधित राज्य सरकार ने मान्यता दी है, उक्त बाहरी मोटरों के नियति की दशा में याएँ नहीं होंगी।

[फा. सं. 356/30/89-टी आर य]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 23rd August, 1989

NOTIFICATIONS

NO 227/89-CUSTOMS

G.S.R. 777(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), The Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, (Department of Revenue) No. 148/88-Customs, dated the 27th April, 1988, namely :—

In the said Notification,—

- (1) the words “by any State Fisheries Corporation or any Fisheries Co-operative Federation recognised by the State Government concerned shall be omitted,
- (2) for the words “section 3 of the said Customs Tariff Act,” the following shall be substituted, namely :—

“Section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :—

- (1) the importer produces a certificate from an officer not below the rank of a Deputy Secretary of the Department concerned with fisheries in the State Government, to the effect that the outboard motors being imported are for fitment to boats which are exclusively used for fishing operations and recommending the grant of the concession, and
- (2) the importer furnishes an undertaking to the Assistant Collector of Customs at the time of importation to the effect that—
 - (i) the said outboard motors shall be used for the purpose specified above; and
 - (ii) he shall pay on demand, in the event of his failure to comply with (i) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on the said outboard motors, but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation;

Provided that the conditions (1) and (2) specified above shall not apply in the case of imports of the said outboard motors by any State Fisheries Corporation or any Fisheries Co-operative Federation recognised by the State Government concerned.

[F. No. 356/30/89-TRU]

सं. 228/89-सीमाशुल्क

सा. का. नि. 778(प्र).—मन्दोद मरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962(1962 का 52) को घारा 25 को उघारा (1) द्वारा प्रदत्त याकिनियों वा प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाते पर कि लोकहिंसा में ऐसा करना आवश्यक है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975(1975 का 51) को यहां प्रानुसूची के अध्याय 84 के अन्वर्तन आने वाले हिमशुष्कोकर (हिमशुष्क के उपस्कर) (जिसे इसमें इसके प्रकार संबोधरो कहा गया है), जब उसका पंटोबायोटिक्स के विनियोग के लिए भारत में आयात किया जाए।—

- (i) उपर उद्योगीय सीमाशुल्क के उत्तरे भाग से, जो उस पड़ाग प्रानुसूची में विनियिष्ट है, जो तूल्य के 35 प्रतिशत से अधिक है; और
- (ii) उक्त गोमाशुल्क टैरिफ अधिनियम को पारा 3 के अधीन उस पर उद्योगीय संपूर्ण प्रतिरिक्षण सीमाशुल्क से;

इस शर्त के अधीन रहने हुए छूट देने हैं कि माल को निकासी के समय आयातकर्ता भारत की सीमाशुल्क कलकटा का—

- (1) भारत सरकार के तकनीकी विकास भूगोलिक सनाहकार के रेंक से अनिम्न रेंक के किसी धृध्वजारों का इस आशय का प्रमाण पक्ष प्रस्तुत करता है कि आयातिन मणिन पंटोबायोटिक्स के विनियोग के लिए है; और
- (2) भारत सरकार के आयात और नियन्त्रित उत्तर इस आशय के रेंक से अनिम्न रेंक के किसी अधिकारी का इस आशय का नियंत्रित प्रमाण पक्ष प्रस्तुत करता है कि—
 - (i) आयातकर्ता ने भारत सरकार के आयात और नियन्त्रित मूल्य नियंत्रक द्वारा इस बाबत विनियिष्ट वंशपत्र को यह बचत बंध करते हुए नियापदन किया है कि निकासी को तरावत में पांच बर्ष की अवधि के भीतर आयात की गई मर्शानी के तीन गुना मूल्य के पंटोबायोटिक्स का नियापदन करेगा; और
 - (ii) आयातकर्ता ने उक्त नियन्त्रित बाब्त की पूर्ण का भालीटर करते और उसे प्रतित करने के लिए ऐसे अनुदेशों का अनुपालन करने का बचतबद्ध किया है जो उक्त आयात और नियन्त्रित मूल्य नियंत्रक द्वारा जारी किए जाए।

[फा. सं. 346/242/88-टी आर य]

NO. 228/89-CUSTOMS

G.S.R. 778(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts Lyophilizer (Freeze Drier equipment) (hereinafter referred to as the machinery), falling within Chapter 84 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for the manufacture of anti-biotics, from,—

- (i) So much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of 35 per cent ad valorem; and
- (ii) the whole of the additional duty of customs leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act;

Subject to the condition that, at the time of clearance of the goods, the importer produces to the Assistant Collector of Customs —

- (1) a certificate issued by an officer, not lower in rank than an Additional Industrial Adviser in the Directorate General of Technical Development of the Government of India to the effect that the imported machine is required for manufacture of anti-biotics; and
- (2) a certificate issued by an officer, not lower in rank than a Joint Chief Controller of Imports and Exports of the Government of India, to the effect that —
 - (i) the importer has executed a bond specified in this regard by the Chief Controller of Imports and Exports of the Government of India undertaking to export anti-biotics of three times the value of the imported machinery, within a period of five years from the date of clearance of the said machinery; and
 - (ii) the importer has undertaken to comply with such instructions as are issued by the said Chief Controller of Imports and Exports to monitor and enforce the fulfilment of the said export obligation.

[F. No. 346/242/88-TRU]

सं. 229/89-सीमाशुल्क

मा.का.नि. 779(प्र).—केन्द्रीय सरकार, वित्त प्रधिनियम, 1989 (1989 का 13) की घारा 35 को उपचारा (4) के मात्र पठिन्

सीमाशुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपचारा (1) घारा प्रवत्त गवितयों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) को प्रधिसूचना सं. 161/89-सीमाशुल्क, तारीख 12 मई, 1989 का निम्नलिखित और संशोधन फरसी है, अर्थात् :—

उक्त प्रधिसूचना को अनुसूची में, कम सं. 97 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के परामर्श, निम्नलिखित कर सं. और प्रविष्टियों अंतःस्पापित की जाएंगी, अर्थात् :

“सं. 98. 228/89-सीमाशुल्क, तारीख 23 अगस्त, 1989”

[फा.सं. 346/242/89-दी.प्रार.यू.]
भार. के. महाजन, अवर सचिव

NO. 229/89-CUSTOMS

G.S.R. 779 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 35 of the Finance Act, 1989 (13 of 1989), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 161/89-Customs, dated 12th May, 1989 namely :—

In the Schedule to the said notification, after Sl. No. 97 and the entry relating thereto, the following Sl. No. and entry shall be inserted, namely :—

“98. 228/89-Customs, dated the 23rd August, 1989.”

R. K. MAHAJAN, Under Secy.
[F. No. 346/242/89-TRU]

